RAJYA SABHA

Friday, the 8th August, 2003/17 *Sravana,* 1925 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

RE: SUSPENSION OF QUESTION HOUR FOR DISCUSSION ON PAC REPORT

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश): आदरणीय सभापति महोदय,मैंने रूल 267 और 238 तहत सस्पेंशन ऑफ क्वश्चन ऑवर का नोटिस दिया है। मैं चाहता हूं कि उस पर कृपारुर्वक मुझे बोलने की अनुमति प्रदान करें।

श्री सभापतिः बोलिए।

श्री सुरेश पचौरीः परम आदणीय सभापति महोदय. अभी हाल ही में पब्लिक एकाउंट्स कमेटी की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी गई है जिसके तीन भाग हैं। एक तो कंप्ट्रोलर एंड आडिटर जनरल की ऑपरेशन विजय के दौरान रक्षा सौदों के मामले में जो आब्ज़र्वेशन थी उसके संबंध में यह भी कि 2,163 करोड़ रुपये की खरीद का मामला कम्पट्रोलर एंड आडिटर जनरल न जांचा था, उसमें यह पाया की 2,150 करोड़ रुपये का रक्षा सामान तब आया जब कार्रागल युद्ध समाप्त हो गया। उसमें 260 करोड़ रुपये का ऐसा सामान था जो घटिया दर्जे का था और 90 करोड़ रुपये का एम्युनिशन सब-स्टैंडर्ड था।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप यह मत कहिए। यह तो...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरीः मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूं...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नही, आप मेरी बात सुनिए...(**व्यवधान**) एक मिनट ठहरिए...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरीः मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूं कि पब्लिक एकाउंट्स कमेटी का एक आब्ज़र्वेशन हैं, वहीं मैं पढ़ना चाहता हूं।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : नहीं, वह तो पीएसी की रिपोर्ट का पार्ट है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरीः उस आब्जर्वेशन में यह कहा गया है कि "द कमेटी...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः उसको रैफर करने की जरूरत नहीं है।...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरीः मान्यवर, मैं उद्धृत करना चाहता हूं "The Committee is shocked

that such a vital document which was considered essential for scrutiny of these procurements has been withheld from them on the ground of secrecy. In the face of total non-cooperation by Ministry of Defence in supplying the CVC report, the Committee regret their inability to give their findings on the defence procurement transactions reported in the C&AG's report on review of procurement of OP Vijay (Army)."

मान्यवर, इसका दूसरा भाग यह है कि जो ऑपरेशन विजय से संबंधित सीवीसी की रिपोर्ट थी उसको पब्लिक एकाउंट्स कमेटी के सामने नहीं लाया गया जो कि इंर्पोटेंट डॉकूमेंट है और जो एवीडेंसेज़ थे...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः ठीक है बस हो गया ...(**व्यवधान**)... मैं समझ गया, अब बस करिए।

श्री सुरेश पचौरीः हमारी यह मांग है कि पब्लिक एकाउंट्स कमेटी के सामने जो वर्बेटिम प्रोसीडिंग हुई है और जो एवीडेंसेज़ हुए हैं, वे सदन के पटल पर रखें।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः ठीक है, ठीक है।...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : दूसरा इस पीएसी की रिपोर्ट पर डिसकशन हो और उसका जवाब प्रधानमंत्री जी दें, क्योंकि प्रदानमंत्री जी जॉर्ज फर्नांडिज़ को दोबारा रक्षा मंत्री बनाने के लिए जिम्मेदार हैं।

श्री सभापति : ठीक है, ठीक है। अब बैठ जाइये। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : कह रहे थे कि यदि इस व्यक्ति को रक्षा मंत्री बनाया जाएगा ...(**व्यवधान**)... अनियमितताएं हो रही हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बैठ जाइये । ...(**व्यवधान**)... बैठिए-बैठिए, रेकॉर्ड में नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी :*

श्री सभापति : आप बैठिए, बहुत हो गया।...(**व्यवधान**)... आप बैठिए, आप बैठिए।...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, आप बैठिए। आपकी पूरी बात आ गई है।

श्री सुरेश पचौरी :*

श्री सभापति : आपकी पूरी बात आ गई है। ...(**व्यवधान**)... ठीक है, आप बैठिए।

प्रो. रामगोपाल यादव (उत्तर प्रदेश) **:** यह मामला तो गंभीर ही है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है।...(**व्यवधान**)...

*Not recorded.

श्री एस०एस० अहलुवालिया (झारखंड) : बहस कराना चाहते हैं तो बहस कराए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : माननीय सदस्य, आप मेरी बात सुनिए। अगर आप इस विषय पर बहस करना चाहते हैं तो मैं ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, बैठिए। आप बहस करना चाहते हैं या क्वश्चन ऑवर को सस्पेंड करना चाहते हैं ? ...(**व्यवधान**)... आप बहस करना नहीं चाहते हैं ना ...(**व्यवधान**)... एक मिनट बैठिए, एक मिनट बैठिए। ...(**व्यवधान**)... मेरा सीधा सा प्रश्न है कि आप हाऊस को एडजोर्न करवाना चाहते हैं या इस विषय पर बहस करना चाहते हैं?

श्री कपिल सिब्बल (बिहार) **:** सर, बहस करना चाहते हैं। हम हाऊस एडजॉर्न नहीं करवाना चाहते।

श्री सभापति : बहस करना चाहते हैं तो बहस करिए। हाऊस एडजोर्न की जरूरत नहीं है। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, अहलुवालिया जी।

श्री सुरेश पचौरी : सर, हम चाहते हैं कि पब्लिक एकाउंट्स कमेटी की रिपोर्ट के ऊपर चर्चा हो और जो तीन शर्तें रखी हैं कि प्रधानमंत्री जी डिबेट का जवाब दें और ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिये तो सही ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, बैठिये। बैठ जाइये....(**व्यवधान**)... बैठिये एक मिनट। मतलब, मैं यह मंजूर कर लूं कि इस चर्चा करनी है चाहे जितनी भी लंबी चले

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल) **:** सर, अगर प्रधानमंत्री जी जवाब दें। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मतलब यह है कि आप चर्चा करना नहीं चाहते। आप क्वैश्चन आवर को पोस्टपोन नहीं करना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... चर्चा करना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... देखिए ...(**व्यवधान**)... देखिए, अब इससे क्या मतलब निकलता है ? ...(**व्यवधान**)...

श्री कपिल सिब्बल : सर, हम इस पर सहमत हैं कि चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री जी जवाब दें।

श्री सभापति : चर्चा करना चाहते हैं आप ? ...(**व्यवधान**)... चर्चा करना चाहते हैं तो बैठिए।...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, बैठिए। तो चर्चा करनी है। ...(**व्यवधान**)... आप सुनिए तो सही। चर्चा करना चाहते हैं तो चर्चा कीजिए। चर्चा के लिए पहले मैं किसको बुलवाऊं ? ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, मेरी बात तो सुनिए। ...(**व्यवधान**)... न आप जा रहे हैं, न मैं जा रहा हूं। अगर आप चर्चा करना चाहते हैं तो मुझे बता दीजिए सबसे पहले बोलने वाले स्पीकर कौन होंगे? ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ठहर जाओ।

श्री सुरेश पचौरी : प्रधानमंत्री जी चर्चा का जवाब देंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: यह रक्षा मंत्री का विषय है, वह बात करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री कपिल सिब्बलः सर, हम इसका जवाब देना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... पीएसी की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाए।

श्री सभापति : रिपोर्ट तो रखी गई है।

श्री कपिल सिब्बल : नहीं, सर। पीएसी की वे सारी प्रोसीडिंग्स पटल पर रखी जाएं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः एक मिनट। आपने मुझे कहा कि मैं देख के बताऊं कि सीवीसी की कोई रिपोर्ट है या नहीं। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट, बैठ जाइए। मैं समझता हूं कि ऐसी कोई बात नहीं है। कोई तूफान नहीं आ रहा है। आपने कहा कि सीवीसी की रिपोर्ट दिखवाऊं। ...(**व्यवधान**)...

श्री कपिल सिब्बल : सर, प्रोसीडिंग्स पीएसी की।

श्री सभापतिः पीएसी की तो यह रख दी गई है।

श्री कपिल सिब्बलः नहीं, सर यह रिपोर्ट है।

श्री सभापति : पीएसी की रिपोर्ट आई है, न?

श्री कपिल सिब्बल : सर, पीएसी की यह रिपोर्ट है। सारी जो प्रोसीडिंग्स कमेटी की होती है, वे चाहते हैं कि सदन के पटल पर रखी जाएं।

श्री सभापति: वह तो देखें, माफ करना, आपने कल बिजनेस एडवायजरी कमेटी कि मीटिंग में यह कहा था कि पीएसी की प्रोसीडिंग्स देखी जाएं और सीवीसी रिपोर्ट है या नहीं इसकी जानकारी की जाए । एब जानकारी करने के बाद हि मै बता ऊंगा कि सीवीसी कि रिपोर्टहै या नही ।... (**व्यवधान**) ....एक मिनट, बैठ जाइए । इतनी जल्दी मत करिए

श्री कपिल सिब्बल : यह बात हुई है ।

श्री सभापतिः यह बात हुई है तो अब कल तक, अभी सुबह तक तो मुझे टाइम मिला नही, आप भी जानते हैं । (**व्यवधान**) ... आप छोड़िए इसको । आज छोड़िए इसको। रिपोर्ट आएगी, मैं देखूगा और आपको में इतना बता दूं कि दूध का दूध और पानी का पानी होगा। सीवीसी कि रिपोर्ट आई है या नही आई है, इस पर आपको जानकारी मिलेगी। यह सब कुछ होगा। हाऊस की कार्रवाई चलने दीजिए। इसमें आपत्ति क्या है ...(**व्यवधान**)

SHRI PRANAB MUKHERJEE (West Bengal): Sir, I would like to submit this whole thing with some background. Yesterday, we met in the Business Advisory Committee and gave certain suggestions to the Government to come out of the impasse that has been created. And, even in the morning, it was going on. We suggested that we would like to have a debate on the Report of the Public Accounts Committee and the precedents have also been given to the Report of the PAC being discussed. The issue, which has arisen, relates to the very basic, fundamental principles and duties in the functioning of a Parliamentary Committee. Sir, the Public Accounts Committee, in its Report, which has been placed on the Table of the House, has alleged that certain documents, which were relevant, according to its judgment, for consideration of the CAG Report on "Operation Vijay", were not made available to it. Due to the persistent refusal of the Ministry of Defence to submit those documents to the PAC, it came to the conclusion that, in the absence of documents from the Ministry of defence, it was not in a position to examine the CAG Report on the "Operation Vijay." I don't remember whether it has ever happened. But, I do remember that in 1978, the Privileges Committee of the Lok Sabha accused a Prime Minister of eleven years' standing and just elected to the Lok Sabha, of causing disturbance to and interference with the collection of material for the consideration of the PAC and on that basis, dismissed her from membership and sent her to jail in December, 1978. Therefore, this is a serious matter. What we had submitted to you yesterday in the Business Advisory Committee was that the impasse can be resolved if a debate on the Report of the PAC takes place and the hon. Prime Minister, or, the Government gives an assurance that the hon. Prime Minister would respond to that debate. We also suggested that the relevant documents, which were sought by the PAC, should be given to it and the minutes and the verbatim record of the PAC should also be placed on the Table of the House so that there is no apprehension on any other thing. You also, Sir, in your wisdom, indicated that you, yourself, would like to go through the records. Then, we pointed out yesterday itself, with utmost respect, that unless these issues are clinched, it is not possible for the Opposition to co-operate with the Government. It is not that we are doing something off the cuff. Yesterday, we made it quite clear. My friend, Mr. Nilotpal Basu, articulated it clearly that it is for the Government of the day to say whether it wants to come off the impasse that has been

created on this and then to give a clear and categorical assurance on all these three aspects. This is my submission, through you, Sir, to the' House. Thank you.

श्री एस०एस० अहलुवालियाः सभापती महोदय, हमारे पुर्ववक्ता माननीय प्रणब बाबु ने जिस तरह से बातें रखीं, जो बी,ए,सी, मैं कल हुई थी। मे यह बताना चाहता हू कि सत्तारुढ़ पक्ष से बी.ए.सी. में अनुरोध किया गया था कि पी.ए.सी. कि रिपोरट को बेस बनाकर इस पर चर्चा की जाए। पी.ए.सी. ने मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस से फाइलें मांगी और पी.ए.सी. का आरोप है कि जो रेलिवेंट या स्पेसिफिक फाइल वे मांग रहे हैं, वह उन्हें मिल रही है। यही आरोप है। यही है ना ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : हां। पी.ए.सी. कि रिपोर्ट के बारे में है। (**व्यवधान**)...

श्री एस. एस. अहलुवालिया : अब रक्षा मंत्रालय.. **व्यवधान**) ...

श्री सभापति :बैटिए बैटिए, ।... (**व्यवधान**) इनको बोलने दिजिए।...(**व्यवधान**)...

प्रो. रामदेव भंडारी (बीहार) **:** गोपनीय और अती गोपनीय।.. (**व्यवधान**)

श्री सभापति : अप बैठ जाइए।... (**व्यलधान**) आप अहलुवालिया जी को बोलने दिजिए (**व्यवधान**)... यह गलत बात है ।.. (**व्यवधान**).. यह रिकार्ड पर नही जाएगा (**व्यवधान**)..**आप** बैठिए। यह गलत बात है ।

श्री एस०एस० अहलुवालियाः सभापती महोदेय. रक्षा मंत्रालय जिन फाइलों को मांगा गया है, उसका जवाब रक्षा मंत्रीही दे सकते हैं और रक्षा मंत्री ही बता सकतें हैं ..(**व्यवधान**)..यह मसला ..... (**व्यवधान**)..बैठो भाई हमने सुना है उनको, हमने सुना है ....**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य, एक मिनट ठहर जाइए ....(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए.....(**व्यवधान**)... यों मत करिए ...(**व्यवधान**)... मेरी बात सुनिए आप ....(**व्यवधान**)... देखिए, क्वेश्चन यह नहीं है। क्वेश्चन यह है कि इन्होंने जो बात कही, आप माने या न मानें, यह आपकी मरजी की बात है। प्रणब बाबू ने जो बात कही, उसको माने या न माने, यह हाऊस की मरजी की बात है लेकिन कोई आदमी बोले तो उसको रोक-टोक तो नहीं करनी चाहिए, ...(**व्यवधान**)... सवाल नहीं करेंगे ...(**व्यवधान**)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सभापति महोदय, मैं समझता हूं की पी.ए.सी. की रिपोर्ट में जो सवाल उठाए गए हैं, वे गंभीर सवाल हैं और यह सिर्फ प्रतिपक्ष का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है कि वह उन सवालों को पूछे। पूरा देश जानना चाहता है कि वे फाइलें क्यों नहीं दी गई

...(**व्यवधान**)... पूरा देश यह जानना चाहता है लेकिन इसका जवाब कौन दे सकता है? इसका जवाब सिर्फ रक्षा मंत्री दे सकते हैं कि वे फाइलें क्यों नहीं दी गईं।

श्री सभापतिः ठीक है, बैठिए ....(**व्यवधान**)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से यह कहना चाहते हैं और हमने कल भी बताया था कि रक्षा मंत्री ने आपको लिखकर दिया है वे इस पर एक स्टेटमेंट देना चाहते हैं। उनको स्टेटमेंट देने दिया जाए। सदन के माध्यम से सारा राष्ट्र जाने कि आखिर वे कौन-सी फाइलें हैं, क्या घोटाले हैं, वे डॉक्यूमेंट्स क्यों नहीं दिए गए? सदन के माध्यम से सारा राष्ट्र यह जाने और हम बी जानें। इस पर बहस हो और रक्षा मंत्री जी पूरी जवाबदेही के साथ इसका जवाब दें। यह हम भी जानना चाहते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : ठीक है। श्री चौधरी ...(**व्यवधान**)... श्री शंकर राय चौधरी ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)... बैठिए, जनरल साहब बोल रहे हैं ....(**व्यवधान**)... आप अपने साथियों को तो बोलने दीजिए ....(**व्यवधान**)... आप बैठिए, यह क्या तमाशा कर रहे हैं? प्रेम गुप्ता जी, बैठिए। शंकर राय चौधरी जी बोल रहे हैं...(**व्यवधान**)... बैठिए...(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU: He is advocating George. *(Interruption)* George had assured the commission that he would not come back. *(Interruption)*

श्री सभापति : मैं कुछ नहीं सुन रहा हूं ...(**व्यवधान**)...

प्रो. रामदेव भंडारीः सभापति महोदय, ऐसा इस देश के इतिहास में कभी नहीं हुआ होगा कि संसदीय समिति को फाइल न दी गई हो ....(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : इस में एक नहीं, अनेक मंत्री शामिल हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप बैठिए, कोई खड़ा नहीं हो। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जैसे आपको बोलने का अधिकार है सत्ता पक्ष को भी तो बोलने का अधिकार है। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ठहरिए, बैठ जाइए। प्रणब बाबू बोले, किसी ने इंटरप्ट नहीं किया। ...(**व्यवधान**)...

डा. अबरार अहमद (राजस्थान)**:** सर,

श्री सभापति : आप बैठ जाइए न। कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)... प्रणब बाबू बोले कोई किसी ने टोका नहीं। मैं समझता हूं और भी बोलेंगे तो इनको भी टोका-टाकी नहीं होगी। क्वेश्चन इतना सा आता है कि आप जैसे बोल रहे हैं सत्ता पक्ष भी उसका उत्तर देना चाहता है। ...(**व्यवधान**)... एक आप बोलिए, मैं छुट्टी दे दूंगा आपको। ...(**व्यवधान**)...

श्री कपिल सिब्बल : सर।

श्री सभापति : एक मिनट बात तो सुनिए। आप यह बीच में कपिल सिब्बल साहब यह नहीं। ...(**व्यवधान**)... अब ये बोलना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... अब आप मेरी बात तो सुनिए। ...(**व्यवधान**)... अब आप कोई भी बोलें या कोई भी मांग वे आपकी मानें या नहीं माने, मंजूर करना तो आपके हाथ की बात है। आपकी बात, जो बोल रहे हैं उसको मंजूर करना इनके हाथ की बात है और दोनों के बीच में मैं हूं कि यह मंजूरी किस प्रकार से हो। इसकी व्यवस्था मैं करूंगा। लेकिन आप बोलने तो दें। दोनों एक दूसरे को सुन लें, सुनने के बाद में कोई आपत्ति नहीं है। ...(**व्यवधान**)... एक मिनट ठहरिए। अब शंकर राय चौधरी जी जो आर्मी के अफसर हैं बहुत बड़े रिटायर्ड जनरल हैं, लड़ाईयां लड़ी हैं वे बोलना चाहते हैं। उनको कैसे रोकूं मैं। बोलिए साहब।

श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) **:** चेयरमैन सर, मुझे भी अनुमति दीजिए।

श्री सभापति : आप ठहरिए, बीच में मत बोलिए। ...(**व्यवधान**)... ठीक है मैं अनुमति दूंगा परन्तु वे बोल लें। ...(**व्यवधान**)... बोल लेंग अर्जुन सिंह जी, वे कहीं नहीं जा रहे हैं, मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। यही हाउस है, वे बोलेंगे। चलो उनको बोलने तो दो शांति से।

श्री जयन्ती लाल बरोट (गुजरात) **:** सर।

श्री सभापति : आप बैठ जाइए। कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा। मेरे बिना पूछे बोलेंगे तो कोई रिकार्ड पर नहीं जाएगा।

SHRI SHANKAR ROY CHOWDHURY (West Bengal): Thank you Mr. Chairman, Sir, for giving me this opportunity to give my views on the demand for a debate on the PAC. Now, what I am going to say does not really concern this debate, and I would like the Members to bear with me. What I would like to bring to the notice of this august House is, a series of debates in Parliament is having totally damaging, devasting effect right from Bofors downwards—Bofors, Tehelka, CAG, Coffingate, and now this. I would like to emphasise the totally devastating effect it is having on the modernisation of our Defence forces, because the fall-out of this is going to be serious. Finally, whatever decision you come to, whether the debate takes place, whether the Defence Minister replies, the Prime Minister replies, it is really immaterial. But, on the ground, we are complaining that Rs. 8000 crores are going back.Rs. 9000 crores are going back. Fine. Why is it happening? It is happening because of many reasons. One of the main reasons—please believe me—is that everybody, today, in the Defence Ministry is unwilling to take the decision because

of a fall-out of these debates. So, if you wish to have a debate, please have a debate, but please also understand the effect it is having on the modernisation of our Services, and that is an issue that we all have to judge. ...*(Interruptions)*... Now. secondly, Sir, the CAG Report — and I would like the House to consider this in detail. There have been several things that have been bought. Yes; questions were raised, and rightly so; and, the Government must give an answer. And, the Government has an answer because I can answer half of them from my previous knowledge. But I do not want to do that. But the issue the House must really debate in detail in this. The aim of the CAG Report was to examine whether our Defence emergency procurement system are correct. Now, obviously, in Kargil, when we tried out our emergency procurement system, we had all these ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I will allow you. ...*(Interruptions)*... I will allow you. ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANKAR ROY CHOWDHURY:Therefore, we should debate the emergency procurement system itself. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I will allow you. ...*(Interruptions)*...

SHRI SHANKAR ROY CHOWDHURY: And, that is what Sir, I have' to say. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : बोलिए इनको सुनिए, आप सुनिए, आप बैठ जाइए। आपको चांस मिलेगा तब बोलिए न।

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, we are discussing a very small issue. With all due regards, I would like to say that we can have a debate on all that what he is asking for. But, I think that is not the issue. And, neither can the Parliament accept such a position where somebody thinks that debate in the Partliament is retarding the process of modernisation in the Armed Forces; it is very unfortunate because Parliamentary Committees ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : आप बैठिए न, शंकर राय जी ने कह दिया ...(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, I heard him ...*(Interruptions)*... Sir, I heard him ...*(Interruptions)*

श्री सभपाति : आप बैठिये। आप बैठिये। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइये। आप बैठ जाइये ...(**व्यवधान**)... आप सब बैठिये। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसु : सर, यह गलत बात है। ...(**व्यवधान**)... सर, यह गलत बात है ...(**व्यवधान**)... सर, इस तरह से नहीं होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सर पूरी, बात नहीं कहने दी गई है। ...(**व्यवधान**)...

श्री जयन्ती लाल बरोट : सर, हाउस में ...(**व्यवधान**)...

SHRl NILOTPAL BASU: Sir, I tell you *...(Interruptions)..* It is unfortunate. ... (*Interrupions)...*

प्रो. राम देव भंडारी : सर वे हाउस को नहीं चलाना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप बैठ जाइये। आप बैठ जाइये। एक मिनट ...(**व्यवधान**)... मुझे एक अनाउंसमेंट करनी है। मैं उसे कर देता हूं। ...(**व्यवधान**)...

RE: CANCELLATION OF SITTING OF THE HOUSE

MR. CHAIRMAN: I have to inform Members that it has been decided that the sitting of the Rajya Sabha scheduled for Monday, the 11th August, 2003, be cancelled. Accordingly, there will be no sitting on Monday, the 11 August, 2003. *...(Interruptions)*

RE. SUSPENSION OF QUESTION HOUR FOR DISCUSSION ON PAC REPORT—*contd.*

आप इस पर बोलना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... अब आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राजीव रंजन सिंह ललन(बिहार)**:** सर, शंकर राय चौधरी को पूरी बात बोलने नहीं दी गई है। हम उनको सुनना चाहते हैं।

श्री सभापतिः आप उनको बोलने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... आपक उनको बोलने दीजिए...(**व्यवधान**)...

SHRl NILOTPAL BASU (West Bengal): Sir, I want to make ... *(Interruptions)....*

श्री सभापतिः उन्होंने जितना बोलना था, वह बोल दिया। ...(**व्यवधान**)...